

CORPORATE OFFICE

Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee
Nagar Near Batra Cinema Delhi -
110009

Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2
Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

दिनांक: 17 अगस्त 2023

फ्लोटिंग रेट ऋण

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "फ्लोटिंग रेट लोन" शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के अर्थव्यवस्था अनुभाग में "फ्लोटिंग रेट लोन" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:

- फ्लोटिंग रेट ऋण

मुख्य परीक्षा के लिए:

- जीएस 3: अर्थव्यवस्था
- पारदर्शी ढांचे का महत्व?
- भारत में आधार दर को समझें?

सुर्खियों में क्यों:-

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पारदर्शिता बढ़ाने और फ्लोटिंग रेट ऋणों के लिए समान मासिक किस्तों (ईएमआई) के पुनर्गणना के लिए सटीक नियम स्थापित करने पर ध्यान देने के साथ एक व्यापक रूपरेखा तैयार करने के अपने इरादे से अवगत कराया है।

फ्लोटिंग रेट लोन को समझना:-

- फ्लोटिंग रेट लोन, जिसे वेरिएबल (परिवर्तनीय) या एडजस्टेबल-रेट (समायोज्य-दर) लोन के रूप में भी जाना जाता है, यह ब्याज दरें होती हैं जो बेंचमार्क दर या आधार दर के आधार पर समय-समय पर बदलती रहती हैं।
- ऋण के दौरान, बाजार कारकों के कारण यह आधार दर बदल सकती है। बंधक, क्रेडिट कार्ड और उपभोक्ता ऋण सभी को अक्सर इस प्रकार के ऋणों से वित्त पोषित किया जाता है।



पारदर्शी ढांचे का महत्व:-

- आरबीआई ने कुछ बैंकों की ऋण देने की प्रथाओं के जवाब में फ्लोटिंग रेट ऋण के लिए एक पारदर्शी ढांचा पेश किया है। उधारकर्ताओं को सूचित किए बिना ऋण शर्तों को बढ़ाकर, बैंक उनकी सहमति के बिना पुनर्भुगतान अवधि बढ़ा रहे थे। यह ढांचा उन मुद्दों का समाधान करता है।

आरबीआई के फ्रेमवर्क की मुख्य विशेषताएं:-

- **स्पष्ट संचार:** उधारदाताओं को अवधि या ईएमआई किसी भी समय रीसेट की जा सकती है, और इस बदलाव के बारे में उधारकर्ताओं को स्पष्ट और समझने योग्य तरीके से सूचित करना होगा।
- **उधारकर्ताओं के लिए लचीलापन:** उधारकर्ताओं को निश्चित दर वाले होम लोन पर स्विच करने या दंड के बिना ऋण को बंद करने का विकल्प दिया जाना चाहिए।
- **शुल्कों का प्रकटीकरण:** बैंकों को पारदर्शिता बढ़ाने के लिए स्विचिंग और फोरक्लोजर विकल्पों के लिए शुल्क का अग्रिम खुलासा करना आवश्यक है।
- **नैतिक ऋण वसूली:** अनैतिक ऋण वसूली के तरीके, यह सुनिश्चित करना कि उधारकर्ताओं के साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाए।

उधारकर्ताओं और उधारदाताओं के लिए लाभ:-

उधारकर्ताओं के लिए लाभ:-

- **स्पष्टता और पारदर्शिता:** उधारकर्ता फ्लोटिंग दर ऋणों में स्पष्टता और पारदर्शिता प्राप्त करते हैं, जिससे सूचित निर्णयों की अनुमति मिलती है।
- **अनुचित परिवर्तनों से सुरक्षा:** उधारकर्ताओं को मनमानी ब्याज दर या ईएमआई परिवर्तनों से बचाया जाता है, जिससे उन्हें बेहतर वित्तीय योजना बनाने में मदद मिलती है।
- **सम्मानजनक व्यवहार:** ऋण वसूली के दौरान, उधारकर्ताओं को धमकी या दुर्व्यवहार का अनुभव नहीं होगा, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए।
- **विकल्प और लचीलापन:** उधारकर्ता ऋण प्रकार बदल सकते हैं या बिना किसी परेशानी या दंड के ऋण को बंद कर सकते हैं, जिससे लचीलापन बढ़ जाता है।

ऋणदाताओं को लाभ:-

- **ग्राहक संबंध:** ऋणदाता प्रतिष्ठित जोखिमों को कम करते हुए सकारात्मक ग्राहक संबंध और विश्वास बनाए रख सकते हैं।
- **परिसंपत्ति गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन:** ऋणदाता परिसंपत्ति की गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन प्रथाओं में सुधार कर सकते हैं।
- **नियामक अनुपालन:** ऋणदाता कानूनी जोखिमों को कम करते हुए नियामक मानदंडों और अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।

आरबीआई द्वारा पेश किए गए पारदर्शी ढांचे का उद्देश्य उधारकर्ताओं को उचित व्यवहार, बढ़ी हुई पारदर्शिता और उनके फ्लोटिंग रेट ऋणों के बारे में सूचित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना है। यह उधारदाताओं के बीच नैतिक प्रथाओं को भी प्रोत्साहित करता है, उधारकर्ताओं और वित्तीय संस्थानों दोनों को लाभान्वित करता है।

भारत में आधार दर: -

- आधार दर से तात्पर्य उस न्यूनतम ब्याज दर से है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) बैंकों को अपने ग्राहकों से शुल्क लेने की अनुमति देगा। यह नियामक कार्रवाई क्रेडिट बाजार की पारदर्शिता में सुधार लाने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि बैंक कम फंडिंग लागत से होने वाली बचत को अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं। यह पता लगाते समय कि ऋण की लागत कितनी होगी, आधार दर को उधारकर्ता के क्रेडिट जोखिम के आधार पर उचित प्रसार के साथ जोड़ा जाता है।

आधार दर को प्रभावित करने वाले कारक:-

प्रत्येक बैंक आरबीआई द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपनी आधार दर निर्धारित कर सकता है। आधार दर में उधार दरों के तत्व शामिल हैं जो सभी उधारकर्ता श्रेणियों में सुसंगत हैं। आधार दर निर्धारित करने में कई कारक भूमिका निभाते हैं, जिनमें शामिल हैं:-

- **धन की लागत:** यह जमा पर बैंकों द्वारा भुगतान की जाने वाली ब्याज दर को संदर्भित करता है। जमाकर्ताओं से धन प्राप्त करने की लागत आधार दर को काफी प्रभावित करती है।

- **परिचालन व्यय:** आधार दर निर्धारित करने में बैंकों की परिचालन लागत, जिसमें प्रशासनिक व्यय और ओवरहेड्स शामिल, पर विचार किया जाता है।
- **वापसी की न्यूनतम दर (लाभ):** बैंकों को अपने संचालन को बनाए रखने के लिए लाभ का न्यूनतम स्तर सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। वांछित लाभ मार्जिन आधार दर निर्धारित करने में योगदान देता है।
- **नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) की लागत:** बैंकों को आरबीआई के साथ भंडार के रूप में अपनी जमा राशि का एक निश्चित हिस्सा बनाए रखने की आवश्यकता होती है, जिसे नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) के रूप में जाना जाता है। ब्याज अर्जित किए बिना इन भंडारों को रखने से जुड़ी लागत आधार दर को प्रभावित करती है।

आधार दर में भिन्नता:-

- उपरोक्त कारकों में से एक या अधिक में भिन्नता के कारण, मुख्य रूप से धन की लागत और परिचालन प्रभावशीलता, विभिन्न बैंकों की आधार दरें अलग-अलग हो सकती हैं। आधार दर बैंकिंग उद्योग में एक मानकीकृत और पारदर्शी ऋण तंत्र सुनिश्चित करने के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है, भले ही ये कारक एक बैंक से दूसरे बैंक में आधार दरों में भिन्नता पैदा कर सकते हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

प्रारम्भिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

- बाजार की स्थितियों के अनुसार, फ्लोटिंग रेट लोन पर ब्याज दर समय-समय पर उतार-चढ़ाव होती रहती है।
- बेंचमार्क रेट में बदलाव का फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर कोई असर नहीं पड़ता है।
- फ्लोटिंग दरों वाले ऋणों के लिए, बेंचमार्क दर समय के साथ नहीं बदलती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. उपरोक्त में सभी।
4. उपरोक्त में कोई नहीं।

उत्तर: 1

प्रश्न-02. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह सुनिश्चित करता है कि बैंक कम फंडिंग लागत का लाभ उधारकर्ताओं को दें।
- आधार दर बैंकों द्वारा दिए जाने वाले सभी प्रकार के ऋणों पर लागू न्यूनतम ब्याज दर को निर्धारित करने के लिए एक बेंचमार्क है।
- यह न्यूनतम ब्याज दर निर्धारित करता है जो बैंक जमा पर पेश कर सकते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. उपरोक्त में सभी।
4. उपरोक्त में कोई नहीं।

उत्तर: 2

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 फ्लोटिंग रेट ऋणों के संदर्भ में पारदर्शिता के महत्व और उधारकर्ताओं और वित्तीय संस्थानों के लिए इसके निहितार्थ पर चर्चा करें।

Rajiv Pandey